

मध्यकाय पुं. (तत्.) न छोटा और न विशाल शरीर, मध्यम शरीर या आकार।

मध्यकालीनता वि. (तत्.) किसी कालावधि के मध्य समय की व्याप्तता अवधि जिसमें उसकी अपनी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक आदि विशेषताएँ हों।

मध्यकालीन समाज पुं. (तत्.) किसी देश के ऐतिहासिक काल के बीच की अवधि का समय जिसमें उसकी अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, धार्मिक आदि विशेषताएँ हों।

मध्यकालीन साहित्य वि. (तत्.) किसी देश या समाज के ऐतिहासिक काल के बीच की निर्धारित अवधि में उसका साहित्य प्रणयन एवं उसकी विशेषताएँ।

मध्य कोटिक वि. (तत्.) कोटि निर्धारण में उच्च एवं निम्न के बीच के स्तर का, मध्यम स्तर का।

मध्यगत वि. (तत्.) बीच में आया, लाया हुआ, बीच में स्थित, मध्यवर्ती।

मध्यच्छद पुं. (तत्.) छाती और पेट के बीच की झिल्ली जो श्वसन क्रिया में फेफड़ों को फुलाने एवं उनके संकुचन में सहायता करती है।

मध्यतः क्रि.वि. (तत्.) बीच से, बीचों-बीच।

मध्यता स्त्री. (तत्.) बीच में होने की अवस्था, धर्म, भाव।

मध्यतापिनी पुं. (तत्.) एक उपनिषद्।

मध्यदेश पुं. (तत्.) 1. बीच वाला स्थान या भाग 2. पेट, (शरीर का) कटि प्रदेश, कमर 3. हिमाचल और विंध्याचल तथा कुरुक्षेत्र तथा प्रयाग के बीच के प्रदेश का प्राचीन नाम।

मध्यनूतन युग पुं. (तत्.) तृतीय महाकल्प अर्थात् पृथ्वी पर वानर के प्रथम पूर्वज के आने के काल में अर्थात् उससे लगभग 2.5 करोड़ से 5 करोड़ वर्ष पहले का युग।

मध्यपट पुं. (तत्.) 1. स्तनपायी जीवों में छाती अर्थात् वक्ष को पेट से अलग करने वाली पर्दानुमा मांसपेशी 2. वास्तु. वृत्ताकार, अर्धवृत्ताकार

या अंडाकार भवन जिसमें रंगमंच अथवा मंच के चारों ओर सीढियों की तरह दर्शकों या श्रोताओं के लिए बैठने का स्थान बना हो।

मध्यपथ पुं. (तत्.) 1. बीच का रास्ता 2. (बौद्धवाद में) भौतिकवादी भोगमार्ग तथा आध्यात्मिक साधना में अतिवादी मार्ग को छोड़कर बीच का साधना-पथ।

मध्यपाषाण काल पुं. (तत्.) मानव समाज के विकास में पुरापाषाण काल और नवपाषाण काल के बीच का युग जिसमें मनुष्य ने कुत्ते को पालतू जानवर बनाकर रखना सीखा तथा धनुष बाण को हथियार के तौर पर चलाना शुरू किया।

मध्यपूर्व पुं. (तत्.) मध्य का पूर्वार्ध (उदा. मध्य पूर्व काल) यूरोपीय लोगों की दृष्टि से एशिया का दक्षिणी-पश्चिमी तथा अफ्रीका का उत्तर-पूर्वी भाग।

मध्यपोषी वि. (तत्.) अपापचयी नाइट्रोजन के स्रोत के रूप में अपापचयी नाइट्रोजन या अमोनिया तथा एक जैविक अम्ल की आवश्यकता वाला पोषी।

मध्यप्रत्यय पुं. (तत्.) भाषा. मध्य सर्ग, शब्द के शुरू में या अंत में शब्द न होकर के बीच में कहीं व्युत्पत्ति सूचक अथवा विभक्ति प्रत्यय वाला शब्द।

मध्यम वि. (तत्.) 1. मध्य का, बीच का, केंद्रीय, मँझला, मध्यवर्ती 2. कमर 3. (आकार में) न बड़ा न छोटा, मझोला 4. सामान्य से न अच्छा न बुरा, बीच का, सामान्य प्रकार का 5. मंद, हल्का 6. पक्षपात रहित, निरपेक्ष, तटस्थ पुं. संगीत. एक राग, सात स्वरों में से चौथा स्वर, व्या. मध्यम पुरुष, काव्य. उत्तम और अधम नायकों से भिन्न तीसरे प्रकार का नायक।

मध्यमणि पुं. (तत्.) हार का मुख्य रत्न।

मध्यमता स्त्री. (तत्.) मध्य होने की स्थिति या भाव।

मध्यमपदलोपी पुं. (तद्.) व्या. समास का एक प्रकार, वह समास जो बीच के पद को लुप्त